A-0421

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DPJ-103

विवाह मेलापक एवं गोचर विचार

Diploma in Phalit Jyotish (DPJ)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. विवाह संस्कार का परिचय देते हुए, इसके प्रकार तथा महत्व पर प्रकाश डालिए।

Q.2. अष्टकूट क्या है? इसका परिचय देते हुए महत्व को भी लिखिए।

Q.3. नाड़ी एवं गणदोष के परिहार का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.4. सन्तान–योग एवं आयुविचार का प्रतिपादन कीजिए।

Q.5. गौचर कुण्डली विचार तथा गौचरफल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

अथवा

विवाहयोग का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. विवाह मेलापक में नक्षत्रों की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नाड़ी का परिचय देते हुए इसकी विशेषता को बताए।

Q.2. भकूट से आप क्या समझते हैं। स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

Q.3. विवाह में ज्येष्ठा नक्षत्र का विचार कीजिए।

Q.4. प्रश्नलग्न क्या है। प्रश्न लग्न से अरिष्ट विचार कीजिए।

अथवा

मांगलिक दोष से क्या तात्पर्य है उल्लेख कीजिए।

Q.5. दशा एवं गौचर कुण्डली पर टिप्पणी लिखिए।

Q.6. शनि की साढ़ेसाती का फल विचार लिखिए।

Q.7. गण मैत्री का परिचय दीजिए।

Q.8. ताराएँ क्या है परिचय दीजिए।

****